

डॉ. एलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 34, डैनियल

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्लेब्रांट

उदाहरण के लिए, आपको जो भी अंक मिले, मान लीजिए कि आपको, मैं सिर्फ अनुमान लगा रहा हूँ, मैं आपके अंक नहीं बता रहा हूँ, ठीक है, मान लीजिए कि जिस पहली परीक्षा को आप दोबारा देना चाहते हैं, उसमें आपको 75 अंक मिले हैं। यदि इस निबंध को दोबारा देने पर आपको 85 अंक मिलते हैं, तो यह 75 का स्थान ले लेता है। यदि दोबारा देने पर आपको 60 अंक मिलते हैं, तो यह सिर्फ एक अभ्यास था।

इससे आपके पास जो पहले था, उसमें कोई कमी नहीं आती। क्या मैंने यह स्पष्ट कर दिया? ठीक है। वैसे भी यह मुझे बताने का आखिरी दिन है।

और फिर, बेशक, बुधवार को मैंने आपको जो कुछ बताया था, उसकी याद दिला दूँ। गॉर्डन में ललित कला के अवसरों का लाभ उठाएं। वे समृद्ध हैं, और केवल चौक पर बैंड ही मजेदार नहीं हैं। एजे में ऑर्केस्ट्रा भी मजेदार है।

मैं आपको ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। मुझे कांड पर मौजूद बैंड से कोई शिकायत नहीं है, और आज सुबह हमारे पास अपना खुद का संगीत कार्यक्रम है।

कि परमेश्वर शांति बनाए रखना जारी रखे। स्वर्ग में शांति और हमारे साथ शांति। आइए हम सब मिलकर प्रार्थना करने के लिए कुछ समय निकालें।

स्वर्ग में दयालु पिता, आपका धन्यवाद कि जैसे-जैसे हम इस सप्ताह के अंत की ओर बढ़ रहे हैं, आपने हमारा मार्गदर्शन किया है, हमारी रक्षा की है और हमें इस दौरान सहारा दिया है। पिता, हम आपकी दया के लिए आभारी हैं जो हर सुबह नई होती है। आपकी वफ़ादारी महान है।

हमारे परमेश्वर, आज जब हम दानियेल की पुस्तक का अध्ययन करते हैं, तो हम प्रार्थना करते हैं कि यह हम में से हर एक से बात करे। हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें दृढ़ विश्वास वाले लोग बनने में मदद करें, भले ही हमारे आस-पास कभी-कभी उग्र हवाएँ हमें दूर धकेल देती हैं। हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जो बीमार हैं, कि आप उन्हें ठीक कर दें।

हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जो उन चुनौतियों से जूझ रहे हैं जो बहुत बड़ी लग रही हैं, हे प्रभु, अपनी आत्मा से। कृपया उन्हें सक्षम करें। उन्हें सांत्वना दें, उन्हें मजबूत करें।

और प्रभु, हम आपको यह घंटा देना चाहते हैं जब हम साथ मिलकर अध्ययन करते हैं। हमें सिखाएँ, हम यीशु के नाम में प्रार्थना करते हैं। आमीन।

खैर, हम सब निर्वासन के दूसरे नबी के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो कि दानियेल है। पिछली बार हमने निर्वासन के दूसरे नबी के बारे में बात की थी, वह कौन था? यहजेकेल। यहजेकेल, शानदार।

याद रखें, वे दोनों ही इस्राएल की भूमि के बाहर से भविष्यवाणी कर रहे हैं, जो काफी महत्वपूर्ण होने जा रहा है। मैं बस थोड़ा सा समीक्षा करने जा रहा हूँ, और फिर हम डैनियल के बारे में खुद से कुछ सवाल पूछेंगे। सारा, क्या यह एक सवाल है? हाँ।

खैर, यहजेकेल एक बहुत ही असामान्य भविष्यसूचक चरित्र है, और मुझे लगता है, यह इसकी पूरी सर्वनाशकारी प्रकृति में बुना हुआ है। वह बेबीलोन में है, लेकिन कुछ मायनों में, इसे समझना थोड़ा मुश्किल है; वह यरूशलेम में पहुँचाया जाता है, इसलिए वह देखता है कि वहाँ क्या हो रहा है। दूरदर्शी अनुभव या ऐसा ही कुछ, हाँ।

मैं सुझाव दूंगा कि बेबीलोन में पहले से मौजूद यहूदी समुदाय के लिए प्रतीकात्मक कार्य किए जाएँ क्योंकि वे भी उतने ही चिंतित हैं। मेरा मतलब है, यह एक बड़ा सवाल है। वे भी भगवान की उपस्थिति, मंदिर और उनके द्वारा कही गई बातों के निहितार्थों के बारे में उतने ही चिंतित हैं।

लेकिन यह एक तरह की उलझन है, और इसका पता लगाना मुश्किल है क्योंकि हम ठीक से नहीं बता सकते कि वह कहाँ है, लेकिन यह एक बढ़िया सवाल है। डैनियल वाकई बेबीलोन में है। ठीक है।

अब, परिचय के तौर पर कुछ बातें। चार प्रमुख भविष्यवक्ता कौन हैं? यशायाह, जो, याद रखें, यशायाह के दूसरे भाग में, बेबीलोन के बारे में बात करने जा रहा है और फिर वापस आएगा। दूसरा कौन है? यिर्मयाह, अच्छा, और फिर यहजेकेल, दानियेल।

पिछली बार, जब हमने यहजेकेल के बारे में बात की थी, तो हमने इस असामान्य शैली की कुछ विशेषताओं के बारे में बात की थी, जो कि सर्वनाशकारी साहित्य था, जिससे, फिर से, आप तब परिचित हुए होंगे जब आपने नया नियम लिया और सेंट जॉन के रहस्योद्घाटन का अध्ययन किया। लेकिन जब हम विशेष रूप से दानियेल के बारे में सोचते हैं, तो हमें इन विशेषताओं की समीक्षा करने की आवश्यकता है। तो, पिछली बार के अपने नोट्स निकालिए।

सर्वनाशकारी साहित्य की प्राथमिक विशेषताएँ क्या हैं? मेरी। ठीक है। मुझे पहले इसे पकड़ने दो।

ऐसे समय की प्रतीक्षा कर रहे हैं जब अच्छाई की जीत होगी। यह प्राथमिक है, और मुझे लगता है कि मैंने इसे पहले स्थान पर रखा क्योंकि जब सर्वनाशकारी साहित्य एक विधा के रूप में उभरता है, तो ईश्वर के लोग अविश्वसनीय तनाव और उत्पीड़न में होते हैं। और इसलिए, वे भविष्य में किसी ऐसे समय की प्रतीक्षा कर रहे हैं जब ईश्वर के वादे पूरे होने जा रहे हैं।

अब, आगे बढ़ो। बढ़िया। सपने, दर्शन, और, ज़ाहिर है, आप दानियेल की किताब में इनकी एक पूरी बहुतायत देखते हैं।

हम कुछ मुख्य बातों पर नज़र डालने जा रहे हैं। आपने क्या कहा, प्रतीक? और प्रतीकात्मक क्रियाएँ, संभवतः लेकिन प्रतीक। वास्तव में, नहीं, प्रतीक किसी भी चीज़ से ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं।

संख्याओं का प्रतीकात्मक उपयोग वास्तव में वही है जो मैं उस बिंदु पर कहना चाहता था। आपके पास और क्या है? ठीक है। डैनियल में, हम वास्तव में शानदार कल्पना देखते हैं।

उदाहरण के लिए, जब आप अध्याय 7 पढ़ रहे थे और उन जानवरों के बारे में पढ़ रहे थे, तो वे ऐसी चीज़ें नहीं हैं जिन्हें आप चिड़ियाघर में भी देखते हैं। वे बस नहीं हैं। वे किसी तरह से कार्टून चरित्र हैं।

मेरा मतलब है, अगर आप इस तरह से सोचना चाहते हैं, तो मैं पवित्रशास्त्र द्वारा किए जा रहे काम को बदनाम करने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ, लेकिन आप इन प्राणियों के चित्रण को कार्टून जैसा मान सकते हैं क्योंकि उनमें ऐसी विशेषताएँ हैं जो वास्तव में बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई हैं, ताकि कुछ बातें समझाने की कोशिश की जा सके। और फिर अधिकांश सर्वनाश साहित्य, वास्तव में, बाइबिल के पाठ, विहित पाठ के बाहर का सारा साहित्य छद्म नाम वाला होगा। दूसरे शब्दों में, इसे किसी नामित प्राणी या लेखक के नाम से गलत तरीके से जोड़ा गया है।

हम जिस चीज़ पर अभी चर्चा करने जा रहे हैं, वह यह है कि क्या डैनियल भी छद्म नाम से लिखा गया है। मुझे इस बारे में अभी कुछ और कहना है। यह यहाँ एक बड़ा मुद्दा है।

खैर, यहाँ एक और बात है जिसके बारे में हम सोचना चाहते हैं। यह विशेष सिद्धांत आपके लिए नया नहीं है। हमने इसके बारे में बार-बार बात की है।

यदि इस वर्ष के अंत में जब आप पुराने नियम से बाहर निकलेंगे और यह सोचना चाहेंगे कि पाँच साल बाद आप क्या याद रखना चाहेंगे, तो मुझे आशा है कि आपको इस बात का गहरा एहसास होगा कि प्रथम नियम की संपूर्णता में परमेश्वर की संप्रभुता के उदाहरण कितनी गहराई से जुड़े हुए हैं, जो बार-बार उसके लोगों के इतिहास में काम करते हैं। और हम इसे दानियेल की पुस्तक में देखते हैं। कुछ उदाहरण क्या हैं? ये वे कहानियाँ हैं जो आपको बचपन में संडे स्कूल में पढ़ने के दौरान सुनाई देती थीं।

परमेश्वर की संप्रभुता के उदाहरण क्या हैं? हाँ, शेरों के मुँह बंद रखना। यह काफी महत्वपूर्ण है। और शद्रक, मेशक और अबेदनगो का अंत कहाँ होता है? एक आग की भट्टी में जो उन्हें भस्म नहीं करती।

और वास्तव में एक चौथा व्यक्ति है जो उस संदर्भ में उनके साथ चलता हुआ मनुष्य के पुत्र जैसा दिखता है। और क्या? इन विशेष अध्यायों में परमेश्वर की संप्रभुता के कोई अन्य उदाहरण? सारा? राजा एक तरह से हत्या की होड़ में है। क्या सभी बुद्धिमान लोग बुद्धिमान लोगों को बचाना चाहते हैं? हाँ, राजा बुद्धिमान लोगों को मिटाने के लिए तैयार है क्योंकि उसे अपना सपना बोलने और व्याख्या करने का मौका नहीं मिलता।

और इसलिए, हम देखते हैं कि परमेश्वर सपनों और दर्शनों पर भी प्रभुता रखता है क्योंकि दानियेल को न केवल इसकी व्याख्या करने के लिए बल्कि यह जानने के लिए भी दिया गया है कि यह वास्तव में क्या था। इसलिए हम देखते हैं कि परमेश्वर की प्रभुता ज्ञान के क्षेत्र में, लोगों के संरक्षण के क्षेत्र में, बहुत स्पष्ट रूप से, शेर की मांद और उन सभी प्रकार की चीजों के संदर्भ में जंगली जानवरों पर प्रभावित होती है। लकी, क्या यह एक सवाल है? एक हाथ ऊपर? बिल्कुल।

हाँ, निश्चित रूप से राजाओं और राजाओं के दिलों पर। अध्याय 4 में, हम देखेंगे कि यह विशेष रूप से कैसे सामने आता है। बहुत बढ़िया।

खैर, चलिए थोड़ा आगे बढ़ते हैं, वैसे, हमें दानियेल के बारे में बहुत कुछ जानना है, ताकि यह समझ सकें कि यह कैसे काम कर रहा है। तो, इस पर मेरा साथ दें। दानियेल प्रथम नियम की कुछ पुस्तकों में से एक है, और इसका एक बड़ा हिस्सा अरामी भाषा में लिखा गया है।

अब, उस समय की आम भाषा होने के अलावा अरामी भाषा क्या है, जिसके बारे में मैं थोड़ी देर में बात करूँगा? क्या कोई जानता है कि अरामी भाषा क्या है? यह हिब्रू से संबंधित भाषा है, ठीक है, हिब्रू से संबंधित है, और जैसा कि मैंने आपको बताया, यह उस समय पूरे साम्राज्य में आम तौर पर बोली जाने वाली भाषा थी। मैं एक समकालीन समकक्ष का उपयोग करूँगा। आज, यदि आप दुनिया में लगभग कहीं भी जाते हैं, तो आप अंग्रेजी बोलकर काम चला सकते हैं।

कुछ मायनों में, यह एक आशीर्वाद है क्योंकि अगर हम यात्रा कर रहे हैं तो हमें 50 भाषाएँ सीखने की ज़रूरत नहीं है। दूसरे मायनों में, यह एक अभिशाप है क्योंकि हमें 50 भाषाएँ सीखने की ज़रूरत नहीं है, और हमें वास्तव में ऐसा करना चाहिए। मुझे आपको यह बताना होगा कि जब हम इज़राइल में रहते थे, तो मुझे पुराने शहर यरुशलम के दुकानदारों ने शर्मिंदा कर दिया था, जो पाँच और छह भाषाएँ जानते थे।

वे जर्मन, अरबी, हिब्रू, फ्रेंच और ग्रीक भाषाएं बोल सकते थे क्योंकि यहीं से उनका कारोबार शुरू हुआ था, ये सभी लोग यहीं से आते थे। आज की भाषा अंग्रेजी है। आप इसे लगभग हर जगह बोल सकते हैं।

यीशु के दिनों में आम भाषा ग्रीक थी, और यह नए नियम और सुसमाचार संदेश के प्रसार के मामले में वाकई अद्भुत था। उस समय आम भाषा अरामी थी। यह हिब्रू की बहन भाषा है, और इसके कई रिश्ते हैं।

एक बार जब आप हिब्रू सीख लेते हैं, तो आप अरामी भाषा भी सीख सकते हैं। यहाँ जो बात दिलचस्प है, वह है अरामी भाषा में लिखे गए अध्याय, और मैं उनके बारे में थोड़ा और बात करूँगा। यह सिर्फ़, ओह, बेतरतीब नहीं है, मुझे लगता है कि हम इस भाग को अरामी भाषा में लिखेंगे।

इसके पीछे एक वास्तविक योजना है। जब हम एज़्रा की पुस्तक पर काम करेंगे, भगवान की इच्छा से, अगले सप्ताह, हम इसके बारे में फिर से बात करेंगे, क्योंकि एज़्रा के कुछ हिस्से अरामी भाषा में भी लिखे गए हैं। चलिए शुरू करते हैं।

पुस्तक की संरचना बहुत ही सुंदर ढंग से की गई है। इसमें हिब्रू रूपरेखा है। अध्याय 1 हिब्रू से शुरू होता है क्योंकि जाहिर है, यह ईश्वर के लोगों के लिए ईश्वर का पैगंबर है, और इसलिए यह उसी तरह से शुरू होता है और उसी तरह से समाप्त होगा, अध्याय 8 से शुरू होता है। अध्याय 8 से 12 तक के दर्शन हैं जो विशेष रूप से ईश्वर के लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं क्योंकि वे अंततः अपने देश में वापस जाने वाले हैं, और एक बार जब वे वहाँ पहुँच जाते हैं, तो उन्हें निरंतर उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है।

वास्तव में, संभवतः बढ़ता हुआ उत्पीड़न। ये अध्याय उन्हें यह बताने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं कि, अरे, भगवान आपकी स्थिति के बारे में जानता है। वास्तव में, वह आगे देख रहा है और आपकी स्थिति के बारे में जानता है, और यहाँ बताया गया है कि इसके परिणामस्वरूप क्या होने वाला है।

तो, रूपरेखा के बारे में सोचिए। हिब्रू विशेष रूप से परमेश्वर के लोगों के लिए संदेश, और फिर अंतराल में, अध्याय 2 से 7। ये मुख्य रूप से दानियेल की भविष्यवाणियाँ और घटनाएँ हैं जो तब होती हैं जब दानियेल वहाँ दरबार में सेवा कर रहा होता है, और उनका ध्यान बहुत व्यापक है। जैसा कि मैंने आपके लिए नोट किया है, अध्याय 2 और 7 दर्शन हैं, और हम उन्हें थोड़ी देर बाद खोलेंगे, लेकिन वे दर्शन हैं जो दुनिया के राष्ट्रों से संबंधित हैं, और मुख्य रूप से दुनिया के राष्ट्र जिन्होंने परमेश्वर के लोगों पर अत्याचार किया, और उनमें से चार होने जा रहे हैं, और हम उनमें से प्रत्येक को देखने जा रहे हैं।

अध्याय 2 और अध्याय 7 एक दूसरे को प्रतिबिम्बित करते हैं। वे एक ही राष्ट्र के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन यह एक बहुत अधिक सार्वभौमिक वैश्विक फ़ोकस है, और इसलिए, इसे संप्रेषित करने के लिए लिंगुआ फ्रैंका का उपयोग किया जाता है, हिब्रू में नहीं, अरामी में। फिर, जैसे ही आप अंदर की ओर बढ़ते हैं, 2, 7, 3, 6, 4 और 5 पर ध्यान दें, वहाँ भी अच्छी छोटी पैटर्निंग है।

अध्याय 3 और अध्याय 6 में उत्पीड़न की कहानियाँ हैं; अध्याय 3 में, शद्रक, मेशक और अबेदनगो, या हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह, यदि आप उनके हिब्रू नाम चाहते हैं, और फिर अध्याय 6 में, यह डैनियल को शेर की मांद में फेंकने वाला है। तो, ये भगवान के लोग हैं, उस समय शासक द्वारा उत्पीड़ित किए जा रहे भगवान के लोगों के प्रतिनिधि नमूने। और फिर, जब आप यहाँ हमारे केंद्रबिंदु, अध्याय 4 और 5 में जाते हैं, तो हमारे पास दो शासक होते हैं, और उन दो शासकों का क्या होता है जब वे खुद को स्थापित करने की हिम्मत रखते हैं? अध्याय 4 में नबूकदनेस्सर, और हम थोड़ी देर में अध्याय 2, 3, और 4 के अनुक्रम को देखेंगे, लेकिन अध्याय 4 में, वह उन चीजों के बारे में बहुत गर्व और अभिमानी है जो उसने हासिल की हैं, और निश्चित रूप से, उस संदर्भ में, एक सपने में शोक करने के बाद, वह वास्तव में कुछ समय के लिए अपने व्यक्तित्व में एक उल्लेखनीय, भयानक परिवर्तन का अनुभव करेगा।

अध्याय 5, इसी तरह, बेबीलोन साम्राज्य के अंतिम शासक, नबूकदनेस्सर के वंशज बेलशस्सर, मंदिर के बर्तनों का दुस्साहसपूर्वक उपयोग कर रहे हैं, और वे सभी वहाँ बैठकर दावत उड़ा रहे हैं, शराब पी रहे हैं और चाँदी और सोने के देवताओं की पूजा कर रहे हैं, और फिर वे क्या देखते

हैं जिससे वे डर जाते हैं? यह यहाँ ऊपर मेरे हाथ से संकेत दिया जा रहा है। ठीक है, यह दीवार पर लिखावट है, है न? और, ज़ाहिर है, राजा राख हो जाता है, और उस अध्याय के अंत में, वह मर जाता है, और फिर हमारे पास फ़ारसी साम्राज्य आता है। तो, इसे कुछ वाकई अच्छी साहित्यिक रूपरेखा सामग्री के संदर्भ में सोचें, जो हम देखने जा रहे हैं और दर्शन के अलावा।

क्या आगे बढ़ने से पहले आपके पास इस पर कोई सवाल है? फिर भी, कुछ पृष्ठभूमि संबंधी बातें हैं जो हमें करनी हैं। ठीक है, चलिए इसे आगे बढ़ाते हैं। डैनियल खुद, जैसा कि आप सोचते हैं कि डैनियल इन पुस्तकों, अध्यायों में क्या कर रहा है, क्षमा करें, क्या वह आपको किसी ऐसे व्यक्ति की याद दिलाता है जिसका हम पहले ही अध्ययन कर चुके हैं? जोसेफ, सही है, क्योंकि वह एक राजनेता है।

वह विदेशी दरबार में उच्च पद पर पहुंचने वाला है, जो यूसुफ की बहुत याद दिलाता है। इसके अलावा, वह एक भविष्यवक्ता है। मैंने अभी आपके लिए यहाँ उल्लेख किया है कि उसके पास इज़राइली, यहूदी, हिब्रू, मुझे लगता है, और बेबीलोनियन दोनों नाम हैं।

हम उसे दानियेल के नाम से जानते हैं, लेकिन उसका उल्लेख इसलिए भी किया गया है क्योंकि राजा ने उसे बेलतशस्सर नाम दिया था, और आप देखेंगे कि पाठ में कई जगहों पर एक ही व्यक्ति का उल्लेख है। अध्याय 1 हमें कुछ बताता है, और अगर आपने इसे पहले नहीं पढ़ा है तो आप वापस जाकर इसे पढ़ सकते हैं। दानियेल को निर्वासन की पहली लहर में ले जाया गया था।

मैं इसके बारे में थोड़ी देर में और बात करूँगा, लेकिन जब नबूकदनेस्सर पहली बार इसराइल की धरती पर आया, यह 605 ईसा पूर्व की बात है, तो उसने जो किया वह यह था कि उसने सबसे अच्छे लोगों को लिया जिन्हें वह देख सकता था। आप जानते हैं, वह गॉर्डन कॉलेज में आता है और डीन और राष्ट्रपति सूची के लोगों को ले जाता है क्योंकि वह उन्हें चाहता है। वह उन्हें चाहता है, और इसलिए डैनियल इन लोगों में से एक है, कुलीन, प्रतिभाशाली, कोई शारीरिक दोष नहीं।

मेरा मतलब है, सब कुछ उसके पक्ष में चल रहा है, और वह निर्वासन की इन लहरों में से एक है, और नबूकदनेस्सर उन्हें कहीं सड़ने नहीं देता। यहाँ अगला सौदा है। जब वह निर्वासन में जाता है, तो एक बहुत ही दिलचस्प कार्यक्रम होता है, और मुझे इसके बारे में आपके लिए थोड़ा सा पढ़ने दें।

युवा पुरुष, अध्याय 1, श्लोक 4, शारीरिक दोष रहित, सुंदर, हर तरह की शिक्षा के लिए योग्यता दिखाने वाले, अच्छी तरह से जानकार, समझने में तेज, और राजा के महल में सेवा करने के लिए योग्य। वह, शाही प्रबंधक, उन्हें बेबीलोनियों की भाषा और साहित्य सिखाना था, और उन्हें राजा की मेज से खाना था। अब, बस एक पल के लिए रुकें और सोचें।

वे सिर्फ़ वहाँ बैठकर भाषा और साहित्य नहीं बनाते थे, बल्कि जैसा कि मैं यहाँ आपके लिए नोट करने की कोशिश करता हूँ, अगर आप रुककर इसके बारे में सोचें तो भाषा और साहित्य संस्कृति हैं। वे संस्कृति के वाहक हैं, और जो कुछ हो रहा था वह इन युवा लोगों के विश्वदृष्टिकोण

को नया रूप देने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास था। ठीक है? एक पल के लिए भी यह मत सोचिए कि कुछ ऐसे दिलचस्प मुद्दे नहीं हैं जिन्हें हम अपने संदर्भ में आगे बढ़ा सकें।

जैसे-जैसे आप में से कुछ लोग ग्रेजुएट स्कूल में जाते हैं, आप शायद ईसाई विश्वदृष्टि के साथ ईसाई संदर्भ में अध्ययन नहीं करने जा रहे हैं। हमेशा अपने विश्वासों पर अड़े रहें; उन्हें इतना अच्छी तरह से स्थापित करें कि आप सवाल उठा सकें और सवाल पूछ सकें। डैनियल एक ऐसे व्यक्ति का आदर्श उदाहरण है जो बेबीलोनिया में ग्रेजुएट स्कूल गया था, और वह आसानी से वह सब कुछ सीख सकता था जो वह सीख रहा था।

उसे एक ऐसा नाम दिया गया है जिसमें देवताओं के नामों में से एक नाम शामिल है, और बेल देवताओं में से एक है। आप जानते हैं, उस पर यह नाम थोपा गया है। उसने भाषा और साहित्य पढ़ाया है, और फिर से, मैं आपको नहीं बता सकता, आप भी उतना ही जानते हैं जितना मैं जानता हूँ, क्योंकि आप भाषा और साहित्य की कक्षाएँ ले रहे हैं।

ये वो चीजें हैं जो संस्कृति का प्रतीक हैं, और इसलिए संभवतः, डैनियल और इन अन्य लोगों के दिमाग को इस तरह से बदला जा रहा है कि वे अपनी यहूदी विरासत और यहूदी मान्यताओं को भूल जाएं और साम्राज्य के अच्छे, राजनीतिक रूप से सही नागरिक बनें। डैनियल इसके झांसे में नहीं आता। वास्तव में, वह राजा की मेज से खाने से भी इनकार कर देता है और यह नहीं सोचता कि राजा की मेज से खाना सिर्फ़, ओह, आप जानते हैं, हमें शराब और बढ़िया मांस और इन सबका आनंद मिलता है।

यदि आप उस संदर्भ में राजा की मेज़ से खाते हैं, तो आप राजा के प्रति निष्ठा प्रदर्शित कर रहे हैं। इसलिए वह सिर्फ़ शाकाहारी होने के लिए शाकाहारी नहीं है। यहाँ कुछ और भी बढ़ा चल रहा है।

तो, आप जानते हैं, अध्याय एक को डैनियल के चरित्र के लिए एक महत्वपूर्ण परिचय के रूप में पढ़ें, और यह कुछ ऐसा है जो पूरे समय सुसंगत है। हम कथात्मक भागों को देखने में बहुत समय नहीं लगाने जा रहे हैं। वे वही हैं जो आप संडे स्कूल में पढ़ते हुए बड़े हुए हैं यदि आप संडे स्कूल में बड़े हुए हैं।

वे ऐसे हैं जिन्हें पढ़ना आसान है, लेकिन जैसे ही आप उन्हें पढ़ते हैं, ध्यान दें कि उन दृढ़ विश्वासों को बार-बार प्रदर्शित किया जाता है। डैनियल डैनियल के तीन दोस्तों, हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह के बारे में नहीं बताता है। मैं उनके हिब्रू नामों का उपयोग करना पसंद करता हूँ, भले ही हम सभी उन्हें शद्रक, मेशक और अबेदनगो के नाम से जानते हों।

आप जानते हैं, वे भी झुकते नहीं हैं, यहाँ तक कि वे यह भी कहते हैं कि हम मरने को तैयार हैं, लेकिन हम ईश्वर को अस्वीकार नहीं करेंगे और नबूकदनेस्सर की छवि के आगे झुकने और झुकने की इस पूरी दिलचस्प योजना में नहीं झुकेंगे। ठीक है, यह आज के लिए मेरा छोटा सा उपदेश है। मैं चाहता हूँ कि आप कम से कम इसके दौरान तो जागते रहें।

इन भविष्यवक्ताओं में हमेशा एक उपदेश होता है। अगली चीज़ जो हमें करने की ज़रूरत है वह है अब इतिहास में थोड़ा सा बदलाव करना, और यह इस सवाल से निपटने का आधार है, क्या दानिय्येल को दानिय्येल ने लिखा है, या दानिय्येल को किसी और ने लगभग 300 साल बाद लिखा था? यह एक मुद्दा है। यह 400 साल बाद का मुद्दा है।

और दृष्टिकोण जानबूझकर बहुवचन है क्योंकि दानिय्येल में, हम दानिय्येल के जीवनकाल के दौरान होने वाली घटनाओं के बारे में पढ़ते हैं। यह यहीं सेट है, और मेरे पास उन वर्षों की विस्तृत श्रृंखला है जिसके दौरान हम जानते हैं कि दानिय्येल जीवित था और भविष्यवाणी कर रहा था और दरबार में काम कर रहा था। जैसा कि मैंने पहले कहा, अगर नबूकदनेस्सर उसे 605 में निर्वासन में ले जाता है, तो वह शुरुआती बिंदु है।

तो फिर वह एक युवा व्यक्ति है। वह आपकी उम्र का ही है, शायद उससे भी कम। उसकी सेवा अवधि पर ध्यान दें।

यह काफी लंबा समय है। यह 60 साल से भी ज्यादा है। 539 में कुसू महान का शासन आता है, और हम जानते हैं कि दानिय्येल कुसू के शासनकाल के कम से कम तीसरे साल की भविष्यवाणी कर रहा है।

इसलिए, वह लंबे समय तक आगे बढ़ता रहेगा। बेबीलोन से फारसी वर्चस्व में परिवर्तन, बहुत सारे आघात और उथल-पुथल, अशांत समय। डैनियल इस दौरान एक ठोस ताकत के रूप में जारी रहता है।

तो, वह नबूकदनेस्सर के शासनकाल में जीवित रहने वाला है, अध्याय 1 से 4 तक। फिर से, हम उन पर बाद में थोड़ा और विस्तार से विचार करेंगे। नबोनिडस और बेलशस्सर दो उत्तराधिकारी हैं, थोड़ा आगे की पंक्ति में, मुझे कहना चाहिए कि नबूकदनेस्सर के वंशज। नबोनिडस एक दिलचस्प चरित्र था।

वह एक ऐसा व्यक्ति है जो बहुत परेशान हो गया था। शायद अगर आपने प्राचीन इतिहास की कक्षा ली हो, तो आप यह पहले से ही जानते होंगे, लेकिन वह गैर-सरकारी चीजों में बहुत रुचि रखता था। वास्तव में, वह अरब में जाकर चंद्र देवता की पूजा करने पर आमादा था। यह बहुत अच्छा नहीं रहा।

बेबीलोन में यह बहुत अच्छा नहीं रहा क्योंकि उनका मुख्य देवता मर्दुक था। लेकिन वह यही कर रहा है। और बीच में, उसका बेटा बेलशस्सर उसके साथ सह-शासन करेगा।

यह महत्वपूर्ण होने जा रहा है। एक पल के लिए उस पर ध्यान दें। और फिर, अंत में, जब बेबीलोन साम्राज्य का पतन हुआ, तो हमें दो नाम मिले जो डैनियल की पुस्तक में दिखाई देते हैं।

और अगर आपने उन्हें पढ़ा है, तो आप जानते हैं, अध्याय 9 और 6 दोनों और फिर 10 से 12। 10 से 12, यह फारसी साइरस के शासनकाल के दौरान है, जो यहाँ प्रमुख व्यक्ति है। लेकिन फिर हमारे पास एक अजीब व्यक्ति है जिसका नाम डेरियस द मेदी है।

डेरियस द मेदी की पहचान कैसे की जाए, इस पर बहुत-बहुत चर्चा हो चुकी है। मैं आपको सुझाव दूंगा, हालांकि मैं इस पर बहुत ज्यादा दृढ़ नहीं हूँ, कि डेरियस द मेदी शायद साइरस द फारसी का दूसरा नाम हो। यह एक संभावना है।

लेकिन फिर भी, मैं उस पर अड़ा नहीं हूँ। अन्यथा, अन्य सुझाव हैं जो संभावनाएं हैं। लेकिन किसी भी दर पर, यह सही है जब फ़ारसी साम्राज्य का कब्ज़ा हो जाता है।

फिर से, यह आसानी से नहीं होता। यह सिर्फ़ एक राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार से चुने गए राष्ट्रपति के पास सत्ता का सहज हस्तांतरण नहीं है। आप जानते हैं, उस समय बहुत बड़ा बदलाव, बहुत सारी भयानक चीज़ें, उथल-पुथल वाली चीज़ें होती हैं।

यही वह समय है जब डेनियल जीवित है। हालाँकि, यहाँ जो बात दिलचस्प है वह यह है कि डेनियल बहुत आगे तक देखता है।

और इसलिए, हमें बहुत आगे देखना होगा। प्रथम नियम के अंत से परे, हमारे पास निम्नलिखित हैं। भविष्य के समय जिनके बारे में दानियेल ने भविष्यवाणी की थी।

चार राज्य, जो अध्याय 2 और 7 में विशेष रूप से व्यापक रूप से दर्शाए गए हैं और फिर अध्याय 8 और 11 में उन पर बहुत विस्तार से ध्यान केंद्रित किया गया है। अब, पहला स्पष्ट रूप से बेबीलोन है। और हम थोड़ी देर में उस पर वापस आएंगे।

लेकिन बेबीलोन के बाद फारस है। हमने अभी-अभी इन दो देशों में इसे देखा है। और फिर ग्रीस आता है।

जाहिर है, डेनियल इतने लंबे समय तक जीवित नहीं रहता क्योंकि सिकंदर महान ने 333 में इस पूरे क्षेत्र पर विजय प्राप्त कर ली थी। यह डेनियल के समय के बहुत बाद की बात है। दिलचस्प बात यह है कि सिकंदर महान की असामयिक मृत्यु के बाद, लगभग 20 वर्षों तक कुछ उथल-पुथल और इसी तरह की अन्य घटनाओं के बाद, आपको उसके चार सेनापतियों को उसके राज्य के विभिन्न हिस्सों पर कब्ज़ा करते हुए देखना होगा।

ठीक है, तो जब यह कहा जाता है कि सिकंदर महान का साम्राज्य चार भागों में विभाजित था, तो चार अलग-अलग लोग हैं। आपको इन दो लोगों के बारे में जानना चाहिए। ऐसा नहीं है कि मैं इस पर आपकी परीक्षा लेने जा रहा हूँ, बल्कि यह सिर्फ़ आपकी अपनी समझ के लिए है।

हम जिन दो लोगों के बारे में चिंतित होना चाहते हैं, उनमें से एक टॉलेमी नाम का व्यक्ति है। क्या कोई जानता है कि वह कहाँ पहुँच गया है? यह मिस्र है, है न? टॉलेमिक राजवंश मिस्र में अगली तीन शताब्दियों और उससे भी आगे तक शासन करने वाला है।

सेल्यूकस नाम का एक आदमी सीरिया पर काफी हद तक नियंत्रण करने जा रहा है, जिसे हम पुराने नियम के अराम या सीरिया के नाम से जानते हैं। विस्तारित, ठीक है? लेकिन वह यही क्षेत्र लेने जा रहा है। वे महत्वपूर्ण क्यों हैं? खैर, भौगोलिक दृष्टि से सोचें।

बहुत समय पहले, जनवरी में किसी समय हुए हमारे व्याख्यानो को याद करें। इजराइल बीच में है। इजराइल बीच में है।

इन दो शक्तियों के बीच में एक छोटा सा, पुनर्वासित समुदाय है। और निश्चित रूप से, हमेशा की तरह, वे अपने ही मैदान पर रहने से संतुष्ट नहीं हैं, और इसलिए हमेशा आगे-पीछे लड़ाई होती रहेगी, और यही बात इजराइल को प्रभावित करने वाली है। और इसीलिए मैं आपको सुझाव दूंगा कि जैसा कि दानियेल अपने भविष्यसूचक संदेशों में आगे देख रहा है, वह इस बारे में कुछ विशिष्ट विवरण दे रहा है कि वह समय अवधि कैसे सामने आने वाली है क्योंकि यह ईश्वर के लोगों के लिए एक भयानक समय होने वाला है और यह जानना उनके लिए आश्चर्य करने वाला है कि प्रभु को यह सब पहले से पता था और उन्होंने दानियेल के माध्यम से उन्हें बताया।

अब, इसे देखने का एक और तरीका है, लेकिन हम इस पर थोड़ी देर में बात करेंगे। इस आगे-पीछे और आगे-पीछे के हिस्से के रूप में बहुत महत्वपूर्ण घटना एंटीओकस एपिफेन्स नामक एक व्यक्ति की है। वह इस विशेष शासक से पूरे राजवंशीय उत्तराधिकार में एंटीओकस IV है।

यह सेल्यूसिड राजवंश है, और उनमें से कई लोगों का नाम एंटीओकस है। और 167 ईसा पूर्व में, एंटीओकस, अपने विषयों को हेलेनाइज़ करने के एक व्यापक, साम्राज्य-व्यापी प्रयास में, यहूदियों के लिए खतना को रोकने के लिए एक बड़ा प्रयास शुरू करने जा रहा है, उन्हें उन तरीकों से बलिदान करने के लिए मजबूर करेगा जो उन्हें नहीं करना चाहिए, और 167 में, वह मंदिर को अपवित्र करेगा। अपनी कल्पना का उपयोग करें।

यह ऐसा है जैसे कोई व्यक्ति आकर किसी शरणस्थल पर कब्ज़ा कर ले। वैसे, हमें शरणस्थल के बारे में बहुत अच्छी जानकारी नहीं है। आपने मुझे पहले भी इस बारे में बात करते सुना होगा।

लेकिन मान लीजिए कि एक प्रमुख ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च का अभयारण्य, क्योंकि वे अपने अभयारण्यों को वास्तव में गंभीरता से लेते हैं, अंदर आते हैं और पूरी तरह से उसका अपमान करते हैं, पर्दे को तोड़ते हैं, चिह्नों को ले जाते हैं, उन्हें फेंक देते हैं, उन्हें तोड़ते हैं और उन्हें चकनाचूर कर देते हैं। यही मानसिकता या भावना यहूदियों की रही होगी जब मंदिर में संध लगाई गई थी, और एंटीओकस परम पवित्र स्थान में गया था। यह एक भयावह घटना है।

यह एक बड़ी घटना है। डैनियल अध्याय 11 में इसका संकेत देगा। वह यह नहीं कहता कि एंटीओकस एपिफेन्स आया और उसने ऐसा किया, लेकिन जिस तरह से वह इसका वर्णन करता है वह वास्तव में स्पष्ट है, और वह इसी के बारे में बात कर रहा है।

और फिर, अंत में, साम्राज्यों के मामले में, रोमन आए। वे विशेष रूप से 63 ईसा पूर्व में फिलिस्तीन और इजराइल पर विजय प्राप्त करने जा रहे थे। पोम्पी नाम का एक आदमी यह करेगा। अब, वे पहले से ही मार्च पर हैं।

वास्तव में, एंटीओकस एपिफेन्स, मंदिर के साथ इस तरह की बर्बरता करने का एक कारण यह है कि रोमनों ने वास्तव में उसे मिस्र जाते समय रोक लिया था और कहा था, तुम वापस लौट जाओ। और इसलिए, वह नाराज़ हो गया, और इसलिए वह वापस चला गया, और उसने यहूदियों और यहूदियों के मंदिर पर अपना क्रोध निकाला। तो, यहाँ बहुत सारी दिलचस्प राजनीति चल रही है, और रोमन धीरे-धीरे अपना रास्ता बना रहे हैं।

समझ में आया चित्र? समझ में आया चित्र? महत्वपूर्ण बात यह जानना है कि दानियेल इन दर्शनों में बहुत आगे देख रहा है, और मैं बस अपनी बात दोहराता हूँ, इसलिए आप इसे अवश्य समझेंगे। अध्याय 2 और 7 में सभी चार राज्यों, बेबीलोन, मादी-फारस, ग्रीस, रोम, और फिर अध्याय 8 और 11 में तीसरे राज्य, ग्रीस के विवरण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। हाँ, ट्रेवर।

तो, जैसे, जब वे निर्वासन से लौटते हैं, तो क्या शांति का कोई दौर होता है? जैसे, मुझे लगा कि यह किसी तरह का वादा था, जैसे, जैसे, यिर्मयाह कह रहा था, आप जानते हैं, अब जब आप निर्वासन में हैं तो यह वास्तव में बुरा है, लेकिन जब आप वापस आएँगे, तो यह बहुत बढ़िया होगा, आप जानते हैं, यह बस... हाँ, यह एक अच्छा सवाल है। जब वे निर्वासन से लौटते हैं, तो क्या शांति का कोई दौर होता है? जब वे वापस आते हैं, और हम इसे सोमवार को थोड़ा-बहुत, अधिक हद तक करने जा रहे हैं, तो उन्हें उस भूमि पर रहने वाले लोगों से विरोध का सामना करना पड़ता है, लेकिन उनके बीच व्यापक युद्ध नहीं होता है, और वास्तव में, जब टॉलेमी इस पर नियंत्रण नहीं कर रहे होते हैं, तो मिस्र के पास 1988 तक यह भूमि होती है, और जब टॉलेमी इस पर नियंत्रण कर रहे होते हैं, तो चीजें बहुत अच्छी चल रही होती हैं। आप जानते हैं, वे यहूदियों को कुछ और बनाने की कोशिश नहीं करते हैं; वे यहूदियों को हेलेनाइज़ करने की कोशिश नहीं करते हैं, और इसलिए यहूदियों के पास काफी अच्छा समय होता है।

यह केवल तब होता है जब सीरिया से सेल्यूसिड राजवंश एक बहुत ही महत्वपूर्ण लड़ाई जीतता है और टॉलेमिक प्रकार को बाहर निकालता है, तब दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में चीजें गड़बड़ होने लगती हैं। हाँ, अच्छा सवाल है। क्या यह स्पष्ट है? यह समझना वास्तव में महत्वपूर्ण है कि डैनियल कैसे सामने आता है।

हाँ, केलिन। वे वास्तव में किस वर्ष वापस लौटे थे? वापस? उन्हें 539 में साइरस के शासन में वापस भेजा गया। ठीक है, और हम सोमवार को इस बारे में और बात करेंगे।

यह एक अच्छा सवाल है। चलिए, थोड़ा आगे बढ़ते हैं। कुछ तस्वीरें।

तुम्हें यह सब लिखने की ज़रूरत नहीं है। यह सिर्फ़ इसलिए है ताकि मुझे याद रहे कि मैं इन चीज़ों के बारे में क्या कहना चाहता हूँ। ठीक है?

आप में से जो लोग ऑक्सफोर्ड कार्यक्रम में कभी जा रहे हैं, उनके लिए यहाँ एक और ब्रिटिश संग्रहालय कलाकृति है जिसे आपको वहाँ जाते समय अवश्य देखना चाहिए। यह नबोनिडस सिलेंडर है और यह हमें यह बताता है कि नबोनिडस क्या कर रहा था। याद रखें मैंने आपको बताया था, आप जानते हैं, वह नबूकदनेस्सर का वंशज था जो वास्तव में शासन करने के लिए

उत्सुक नहीं था, और इसलिए वह अरब में चंद्र देवता की पूजा कर रहा था, वगैरह, वगैरह, वगैरह।

उन्होंने यह भी कहा, और यह समझना महत्वपूर्ण है, अक्सर यह सवाल उठाया जाता है: अध्याय 5 में दानियेल को राज्य में तीसरा क्यों बनाया गया? दूसरा क्यों नहीं? खैर, ऐसा इसलिए है क्योंकि आपके पास नबोनिडस और बेलशस्सर एक साथ शासन कर रहे हैं, और इसलिए अगला स्थान दानियेल को दिया गया है, और यह राज्य में तीसरा है। यह यहाँ एक दिलचस्प छोटी ऐतिहासिक पुष्टि है। एक और इतिहास जो बहुत दिलचस्प है वह वह है जो वास्तव में उसके शासनकाल की घटनाओं का वर्णन करता है और उससे आगे जाता है।

अगर आप यहाँ अंत में देखें, तो यह फारस द्वारा मीडिया पर विजय के बारे में बात करता है, इसलिए हम इस संदर्भ में एक बड़ी भू-राजनीतिक तस्वीर देख रहे हैं। यहाँ वह बिंदु है जिस पर हम ध्यान देना चाहते हैं। वह काफी समय से अरब में है, और इससे उसके लोगों में बहुत अशांति पैदा होती है क्योंकि, जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, उनके मुख्य देवता मर्दुक हैं, जिनके बारे में आपने पुराने नियम में समानताएँ पढ़ी हैं, और नेबोनिडस को इसमें विशेष रुचि नहीं है।

ठीक है, नेबोनिडस की तस्वीर के बीच में आने से पहले मैं जो कुछ भी कर रहा था, वह इस ओर ले जा रहा था। किताब कब लिखी गई थी? किताब कब लिखी गई है? खैर, पारंपरिक तिथि, पारंपरिक तिथि डैनियल के जीवनकाल में कभी भी होगी, है न? तो, यह 6वीं शताब्दी होगी, 500 के दशक में कभी भी। यह पारंपरिक तिथि है।

लेकिन, बेशक, लोगों को इसमें जो समस्या दिखती है, वह वैसी ही है जैसी कि यशायाह के मामले में थी। क्या आपको यशायाह के साथ हुई समस्या याद है? यशायाह में इतनी हिम्मत है कि वह समय से एक सदी पहले साइरस नाम के किसी व्यक्ति का ज़िक्र कर देता है। वह ऐसा कैसे कर सकता है? खैर, दानियेल को भी इसी तरह देखा जाता है।

अध्याय 8 और 11 में, डैनियल उन चीज़ों के बारे में बात कर रहा है जो हमें बाइबल से बाहर के स्रोतों से पता हैं, खास तौर पर हमारे यहूदी इतिहासकार जोसेफस, जिनके बारे में हम सोमवार को और बात करेंगे। वह हमें मिस्र में टॉलेमी और उत्तर और उत्तर-पूर्व में सेल्यूसिड्स के बीच की घटनाओं का खुलासा देता है। जोसेफस इन सभी चीज़ों के बारे में बात करता है।

और अंदाज़ा लगाइए क्या? यह अध्याय 11 से बिल्कुल मेल खाता है। अब, अध्याय 11 को रहस्यमय तरीके से प्रस्तुत किया गया है: उत्तर का राजा, दक्षिण का राजा, उत्तर का राजा, दक्षिण का राजा। उनका नाम नहीं दिया गया है, लेकिन आप इसे प्रकट होते हुए देखते हैं, और यह फिट बैठता है।

यह सब कहने का मतलब यह है कि डैनियल के अधिकांश विद्वान, वास्तव में, यहाँ तक कि काफी संख्या में इंजीलवादी भी इस दिशा में गए हैं, वे कहेंगे कि इसे दूसरी शताब्दी में लिखा जाना चाहिए। कोई व्यक्ति कैसे इस बारे में बात कर सकता है कि जब एंटीओकस एपिफेन्स ने मंदिर को अपवित्र किया था, तब उसने क्या किया था, जब तक कि उसने इसे पहले ही होते हुए

नहीं देखा हो? अब, यह एक विशेष विश्वदृष्टि है, है न? मैंने जो शुरुआत में कहा था, उस पर वापस जाँ। इसका मतलब है कि लोगों के दिमाग को यह मानने के लिए आकार दिया गया है कि आप कोई ऐसी भविष्यवाणी नहीं कर सकते जो विशिष्ट हो।

और इसलिए, वे झुक जाते हैं और कहते हैं, ओह, ठीक है, इसे घटना के बाद या जब यह सब हो रहा हो, तब लिखा जाना चाहिए, और इसलिए कोई व्यक्ति केवल जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहा है। मैं आपको सुझाव देता हूँ कि आपको उस रास्ते पर जाने की ज़रूरत नहीं है, खासकर अगर हम एक ऐसे ईश्वर में विश्वास कर रहे हैं जो सर्वज्ञ है और जो अंत से लेकर शुरुआत तक जानता है जैसा कि यशायाह अध्याय 40 से 45 बार-बार जोर देते हैं। अगर यह सच है, तो ईश्वर विशेष रूप से उस उद्देश्य के लिए बहुत विस्तार से बात क्यों नहीं कर सकता जिसका मैंने लगभग 20 मिनट पहले उल्लेख किया था? वह जानता है कि उसके लोग भयानक तनाव में होंगे, खासकर जब यह बहुत ही दुष्ट राजवंश, सेल्यूसिड राजवंश, उनके अपने विश्वासों और उनके धर्म को खत्म करने की कोशिश करना शुरू कर देता है और उन्हें ऐसे काम करने के लिए मजबूर करता है जो उन्हें नहीं करने चाहिए।

वह यह जानता है और इसलिए वह आगे देखता है और इस बारे में बात करता है कि क्या होने वाला है, लेकिन फिर आगे बढ़कर कुछ बहुत ही गंभीर वादे करता है, विशेष रूप से डैनियल के अध्याय 12 में। इसलिए, किसी भी दर पर, मैं पारंपरिक तिथि पर ही टिकने जा रहा हूँ। आप मुझे इस संबंध में एक गुफावासी पाएंगे।

बहुत से लोग ऐसा नहीं करते, लेकिन मुझे लगता है कि पारंपरिक तिथि को मानने के अच्छे कारण हैं। मैंने आपको यहाँ कुछ ही कारण बताए हैं। यह दिलचस्प है कि यह पाठ बेबीलोन की चीज़ों का बहुत विस्तार से वर्णन करता है जैसे कि वह इसे जानता हो।

आश्चर्य, आश्चर्य। पहले चार अध्याय इसी तरह से लिखे गए हैं, और अदालती प्रोटोकॉल पर बहुत सारी स्पष्ट जानकारी है - हम इस बारे में थोड़ी देर में बात करेंगे - और इस तरह की चीज़ें। दूसरी बात, भाषा हमेशा एक अस्पष्ट मुद्दा होता है कि आप भाषा के उदाहरणों को कैसे दिनांकित करते हैं, लेकिन सुझाव है कि चार शताब्दियों में, कुछ बड़े बदलाव होंगे। हमारे पास अरामी भाषा में पाठ हैं जो दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से आते हैं, और यह स्पष्ट रूप से वही नहीं है।

हिब्रू विशेष रूप से अरामी, ऐसा लगता है कि यह पहले की है। यहाँ एक और मुख्य बिंदु, और मैंने इसे पार्क स्ट्रीट चर्च के गॉर्डन ह्यूजेनबर्गर से सीधे चुराया है, मेरा अपना नहीं है, लेकिन मैं बार-बार उनकी विद्वता की पुष्टि करता हूँ। वह कहते हैं कि जब आप व्यापक सांस्कृतिक सामग्री पढ़ते हैं, और वह विशेष रूप से उन पुस्तकों का उल्लेख करते हैं जो वास्तव में अपोक्रीफा, ओल्ड टेस्टामेंट अपोक्रीफा में हैं, जैसे जूडिथ और टोबिट और ऐसी चीज़ें, कोई नायक, कोई नायक, यहूदी नायक, प्रस्तुत नहीं किया जाएगा, अगर यह उस समय लिखा जा रहा था, किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में जो अदालत का सदस्य था और अदालत का पसंदीदा सदस्य था।

जूडिथ, इसके बजाय, वह क्या कर रही है? अगर आपने इसे पढ़ा है, तो यह एक बेहतरीन कहानी है। वह क्या कर रही है? वह एक प्रमुख व्यक्ति की हत्या करने की साजिश रच रही है, उसका

सिर काट देती है और उसे अपनी टोकरी में ले जाती है। नायक वे लोग थे जिन्होंने प्रभावों, राजनीतिक प्रभावों का मुकाबला किया।

वे विद्रोही थे। डैनियल के साथ ऐसा नहीं है। वह अदालत के साथ, अदालत में काम कर रहा है, और वह कहानी का नायक है।

अब, इसके और भी कारण हैं, लेकिन मैं यह सिर्फ इसलिए कह रहा हूँ ताकि अगर कभी आपको यह सामग्री मिले तो आप इसका मूल्यांकन करने के लिए कुछ आधार पा सकें। आपमें से जो लोग बाइबल के विशेषज्ञ हैं, उनके लिए बाइबल अध्ययन के विशेषज्ञ ही इसका मूल्यांकन करेंगे। आपमें से बाकी लोग अगर कभी चर्च में बैठे हों तो शायद इसका मूल्यांकन करें।

कभी पता नहीं। क्या हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं? ठीक है। जैसा कि मैंने कहा, हम इस पुस्तक के कथात्मक भागों पर ज़्यादा समय नहीं बिताएँगे।

मैं उन कहानियों को जानने के लिए आप पर भरोसा करने जा रहा हूँ। हम सबसे पहले दर्शन के बारे में बात करना चाहते हैं। दूसरा, यह वह सपना है जो नबूकदनेस्सर ने खुद देखा था।

एक बात जो मैं आपको बताना चाहता हूँ वह यह है कि दर्शन, जैसा कि दानियेल ने वर्णित और व्याख्या किया है, उसमें शब्द निष्क्रिय, मूर्ति, का प्रयोग किया गया है। वही शब्द।

अरामी भाषा में भी यही शब्द है। वह जो देख रहा है, उसे मूर्ति के रूप में वर्णित किया गया है, लेकिन यह निष्क्रियता के लिए भी वही शब्द है। और, बेशक, यह दिलचस्प है क्योंकि नबूकदनेस्सर को वास्तव में यह समझ में नहीं आया।

जब दानियेल व्याख्या करता है, तो वह कहता है, हे राजा, आप सोने का सिर हैं। और हे राजा, सोने का सिर, क्या करता है? वह जाता है और अपने लिए एक पूरी मूर्ति, एक मूर्ति बनाता है, और हर किसी को झुककर उसकी पूजा करनी चाहिए। वैसे, मैं आपको अध्याय 3 का सुझाव दूंगा, जिसमें नबूकदनेस्सर उस मूर्ति को बनाता है, और हर किसी को झुककर उसकी पूजा करनी चाहिए।

अध्याय 3 में फ़ारसी दरबार का मज़ाक उड़ाया गया है। क्या आपने इसे देखा? सामान की वह सूची? जब सभी वीणाएँ और वीणाएँ, वगैरह, वगैरह, वगैरह, वगैरह बजती हैं, तब हर कोई झुक जाता है, और यह उस रस्म, उस प्रार्थना-पद्धति से कई बार गुज़रता है। यह बयानबाज़ी है।

यह न्यायालय की बयानबाजी है। और, ज़ाहिर है, जो बात वाकई दिलचस्प है वह यह है कि हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह ने अपने जवाब से इसे पूरी तरह से काट दिया। उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया।

खैर, किसी भी तरह, यह दर्शन है। क्षमा करें, चलो अध्याय 2 पर वापस चलते हैं। शुद्ध सोने का सिर, बेबीलोन। चांदी और हथियारों का संदूक, मेदो-फारस।

पेट और जांघें पीतल की, ग्रीस। लोहे के पैर, लोहे और मिट्टी के पैर, रोम। यह रोम आने वाला है।

अब, लोग इसे एक साथ रखने के लिए दूसरे तरीके भी अपनाते हैं। मुझे आपको यह बताना होगा। लेकिन यह सबसे ज़्यादा तर्कसंगत लगता है क्योंकि यह वह तरीका है जिससे हमने इसे बहुत व्यवस्थित तरीके से रखा है।

आपको बहुत सारी चीज़ों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने की ज़रूरत नहीं है। और फिर, ज़ाहिर है, आपके पास यहाँ एक चट्टान आ रही है। और हम सीखते हैं, जैसे-जैसे व्याख्या सामने आती है, अध्याय 2 की आयत 45 में, पहाड़ से काटी गई चट्टान के दर्शन का यही अर्थ है, लेकिन मानव हाथों से नहीं।

महान ईश्वर ने राजा को दिखाया है कि भविष्य में क्या होगा। सपना सच है। बेशक, चट्टान इन सभी अन्य राज्यों को चकनाचूर कर देगी, और यह वास्तव में एक विशाल पर्वत बन जाएगा और पूरी धरती को भर देगा।

बेशक, इस संदर्भ में परमेश्वर के राज्य के बारे में बात की जा रही है। अब, दूसरी दिलचस्प बात जो हमारे पास है वह अध्याय 4 में है, और फिर से, मैं उस पर विस्तार से नहीं जा रहा हूँ, लेकिन बस ध्यान दें कि नबूकदनेस्सर को अभी भी यह समझ में नहीं आया है। उसे अध्याय 2 से अध्याय 3 तक यह समझ में नहीं आया, इसलिए उसने पूरी मूर्ति बनवाई।

वह दानियेल के दोस्तों को आग से बचाए हुए देखता है, और जैसा कि मैंने पहले कहा, वहाँ मनुष्य के बेटे जैसा एक व्यक्ति है, एक चौथा व्यक्ति, जो उनके साथ उस आग में चल रहा है, लेकिन फिर भी उसे यह समझ में नहीं आता है। और इसलिए, अध्याय 4 में उसके पास यह अहंकार है, और फिर एक बार जब परमेश्वर उस पर यह तथ्य लाता है कि वह एक जंगली प्राणी बन जाता है, और फिर उसे यह समझ में आता है, और उसे यह समझ में आता है। खैर, यह हमें दानियेल के दर्शन की ओर ले जाता है, जो, जैसा कि मैंने पहले कहा, नबूकदनेस्सर के दर्शन के बहुत समान है, लेकिन इसे जिस तरह से चित्रित किया गया है, उसके संदर्भ में अंतर पर ध्यान दें।

नबूकदनेस्सर के पास एक मूर्ति और एक मूर्ति है जिसे वह इसलिए देखता है क्योंकि उसका मन मूर्तिपूजा में डूबा हुआ है। दानियेल का दर्शन शिकारियों के संदर्भ में है क्योंकि वह इसे यहूदी दृष्टिकोण से देख रहा है, और ये जंगली जीव हैं जो उन शिकारी ताकतों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो उसके लोगों पर अत्याचार कर रहे हैं। और, बेशक, अध्याय 7 हमें सीधे अध्याय 8 की ओर ले जाएगा, जो फिर से हिब्रू और यहूदियों के साथ क्या होता है, इस पर ध्यान केंद्रित करता है।

लेकिन ये शिकारी जानवर उन राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो परमेश्वर के लोगों पर अत्याचार करते रहेंगे, और यह एक दिलचस्प बात है। सबसे पहले, हमारे पास एक शेर है। यह नबूकदनेस्सर जैसा है, है न? अध्याय 7, श्लोक 4, मैंने तब तक देखा जब तक उसके पंख नहीं फट गए।

इसे ज़मीन से उठाया गया, ताकि यह मनुष्य की तरह दो पैरों पर खड़ा हो जाए, और इसे मनुष्य का हृदय दिया गया। नबूकदनेस्सर के कुछ समय के लिए जानवर की तरह पतित होने के बाद,

फिर परमेश्वर उसे वापस उठाता है और उसे पुनर्स्थापित करता है, और हम इसे इस विशेष दर्शन में थोड़ा सा देख सकते हैं। यह आगे बढ़ता है।

दूसरा जानवर, अध्याय 7, श्लोक 5, अपनी एक तरफ़ से उठे हुए भालू जैसा दिखता है, यह दर्शाता है कि इनमें से एक मेदो-फ़ारसी शायद दूसरे से ज़्यादा मज़बूत है, है न? और यह फ़ारसी ही थे जो हावी होने आए थे। और उसके बाद, श्लोक 6, मैंने एक और जानवर देखा जो तेंदुए जैसा दिखता था। आप जानते हैं, हम शायद चिड़ियाघर में देखे जाने वाले तेंदुओं के बारे में सोचते हैं, और वे बहुत बुरे नहीं होते, और वे बहुत बड़े नहीं होते, और वे बहुत डरावने नहीं होते।

तेंदुए वास्तव में दृढ़ होते हैं, जैसा कि मैंने नोवा को देखकर समझा है, ठीक है? वे शेरों से मुकाबला कर सकते हैं। इसलिए, तेंदुए दुष्ट प्राणी नहीं हैं। वे दुष्ट प्राणी हैं, लेकिन वे छोटे नहीं हैं।

वे होने वाले हैं, और वे डरावने हैं। और वे तेज़ी से चलते हैं, जो ग्रीस का एक अच्छा प्रतिनिधित्व है क्योंकि यह बहुत जल्दी आया था। इसकी पीठ पर, एक पक्षी की तरह चार पंख थे।

इसके चार सिर थे। और, ज़ाहिर है, यह एक अजीब, शानदार कार्टून जैसा प्राणी है, और चार सिर उन व्यक्तियों को दर्शाते हैं जिन्होंने सिकंदर महान की मृत्यु के बाद सत्ता संभाली। अध्याय 8 और 11 में भी इस पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

फिर हमारे पास श्लोक 7 है, चौथा जानवर। भयानक, डरावना, बहुत शक्तिशाली। फिर से, कोई विशिष्ट नहीं, लेकिन स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि रोम इस क्षेत्र से गुज़रने पर क्या करेगा।

बड़े लोहे के दांत अपने शिकार को कुचलकर खा जाते थे, जो कुछ भी बचा था उसे पैरों तले रौंद देते थे। इसके दस सींग थे। वैसे, ये सभी सींग शक्ति के प्रतीक हैं, ठीक है? सींग किसी न किसी तरह की राजनीतिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

तो, किसी तरह, उसके बाद यह काम शुरू हो जाएगा। अब, विज़न का अगला पहलू दिलचस्प है, और यहाँ, हम थोड़ा अतिरिक्त समय बिताना चाहते हैं।

जैसा कि मैंने श्लोक 9 को देखा, सिंहासन स्थापित किए गए थे। क्या आपको याद है कि अध्याय 2 में नबूकदनेस्सर के दर्शन में एक चट्टान दिखाई दी थी? और वह परमेश्वर के आने वाले राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली थी। यह बाकी सब को कुचल देती है।

यहाँ, हम और अधिक विशिष्टता देखने जा रहे हैं, और यह वास्तव में उल्लेखनीय होने जा रहा है, ठीक है? सिंहासन स्थापित किए गए थे। प्राचीन काल के लोगों ने अपना स्थान ग्रहण किया। यह, निश्चित रूप से, ईश्वर का प्रतिनिधि है।

उसके वस्त्र बर्फ़ की तरह सफ़ेद हैं, उसके सिर के बाल ऊन की तरह सफ़ेद हैं, उसका सिंहासन आग से धधक रहा है, और उसके सभी पहिये जल रहे हैं। क्या आपको यह जकेल की कुछ प्रतिध्वनियाँ सुनाई दे रही हैं? यह जकेल अध्याय 1, सिंहासन का दर्शन, पहिए, आग। दानियेल का दर्शन भी यही करता है।

यह इस दर्शन का दूसरा चरण है, और अब वह स्वर्ग के प्रांगण, स्वर्ग के दरबार को देख रहा है। उसके सामने से आग की एक नदी बह रही थी। हज़ारों की संख्या में लोग उसके पास आए।

दस हज़ार गुना दस हज़ार लोग उसके सामने खड़े थे। अदालत बैठी हुई थी, और किताबें खोली जा रही थीं। जैसा कि मैं आपको बता दूँ, यह एक न्याय का दृश्य है।

प्राचीनकाल का महान न्यायाधीश है, और दानियेल को यह देखने की अनुमति है क्योंकि इन सभी राज्यों पर न्याय आने वाला है जिन्होंने सदियों से परमेश्वर के लोगों पर अत्याचार किया है। न्याय आने वाला है। अब, हमारे पास जानवर के वध और इसी तरह की अन्य बातों के बारे में कहने के लिए कुछ बातें हैं, लेकिन फिर हमारे पास श्लोक 13 और 14 हैं।

अब आपके पास फिर से जागने का मौका है क्योंकि मैं चाहता हूँ कि आप भी इसे पकड़ें। रात को अपने दर्शन में, मैंने देखा, और मेरे सामने एक मनुष्य के पुत्र जैसा व्यक्ति स्वर्ग के बादलों के साथ आ रहा था। क्या यह ऐसा लगता है जैसे आप जानते हैं? जब यीशु कैफा के सामने मुकदमे में होता है तो क्या होता है? आपको एक गवाह मिलता है, और वह एक बात कहता है और दूसरा गवाह दूसरी बात कहता है, और वे सहमत नहीं हो पाते हैं, और कैफा निराश हो जाता है, और अंत में वह कहता है, मैं तुम्हें शपथ दिलाता हूँ।

क्या आप परमेश्वर के पुत्र हैं? और यीशु ने क्या उत्तर दिया? यह मत्ती है। क्या यह मेरे पास यहाँ है? हाँ, 26:64। यीशु ने क्या उत्तर दिया? यह अंश, यह अंश भजन 110 के साथ मिला हुआ है, जो एक मसीहाई भजन भी है।

मनुष्य के पुत्र जैसा कोई स्वर्ग के बादलों के साथ आ रहा है। यही यीशु कहते हैं। तुम मनुष्य के पुत्र को स्वर्ग के बादलों पर आते हुए देखोगे।

और, बेशक, कैफा अपनी बाइबल जानता है। वह क्या करता है? वह ईशनिंदा चिल्लाता है और अपने कपड़े धोता है क्योंकि यीशु ने दानियेल को वापस उसी संकेत के द्वारा खुद को परमेश्वर कहा है। आइए इसे थोड़ा और देखें।

वह प्राचीनकाल के परमेश्वर के पास गया और उसकी उपस्थिति में ले गया। श्लोक 14 वही है जो मैं ऊपर कह रहा हूँ। उसे अधिकार, महिमा और प्रभुतापूर्ण शक्ति दी गई।

सभी राष्ट्रों और हर भाषा के लोग उसकी आराधना करते थे। उसका प्रभुत्व एक शाश्वत प्रभुत्व है जो कभी नहीं मिटेगा। उसका राज्य ऐसा है जो कभी नष्ट नहीं होगा।

ये सब ईश्वर के गुण हैं, ईश्वर के कार्य हैं, और ईश्वर जो कुछ करता है, वह सब कुछ है। यहाँ मनुष्य का पुत्र है। उसे यह सब दिया गया है।

और इसलिए, जब यीशु, महासभा और कैफा के सामने, इस अंश का हवाला देते हैं और फिर इसे एक साथ जोड़ते हैं, जैसा कि मैंने कहा, भजन 110 के उस संकेत के साथ, वह कह रहे हैं, मैं

ईश्वर हूँ। अब, दिलचस्प बात यह है कि हमें खुद को कुछ याद दिलाना है जो मैंने आपको पिछली बार बताया था, और मैंने सुझाव दिया था कि आप इसे अपने दिमाग से निकाल दें, और वह यहजेकेल द्वारा इस शब्द का उपयोग था। यहजेकेल ने इस शब्द का उपयोग कैसे किया? यहजेकेल की पुस्तक में इस शब्द का उपयोग कैसे किया गया है? ट्रेवर? हाँ, यह यहजेकेल के लिए ईश्वर का निरंतर संदर्भ शब्द है।

हे मनुष्य के पुत्र, तुम यह करो, वह करो, वह करो। और यहजेकेल, आप जानते हैं, वह प्रतिनिधि व्यक्ति है जो उस समय परमेश्वर के वचनों को ग्रहण कर रहा है, भविष्यवक्ता। दानियेल ने इसे परमेश्वर, पूर्ण रूप से परमेश्वर बताया है।

और इसलिए, मेरा सुझाव है कि यीशु ने अपने लिए यह नाम बहुत ही खास तरीके से, बहुत ही सावधानी से, बहुत ही जानबूझकर चुना है ताकि यह संकेत मिल सके कि वह पूरी तरह से ईश्वर और पूरी तरह से मनुष्य है। ये दोनों एक साथ जुड़े हुए हैं। मैं जानता हूँ कि अगर आप चर्च में पले-बढ़े हैं, तो यह एक सिद्धांत है जिसे आप जानते हैं, लेकिन यहाँ आप देख सकते हैं कि यह कहाँ से आ रहा है।

जैसा कि आप अध्याय 7 के बाकी हिस्सों को पढ़ते हैं, जिसे करने के लिए हमारे पास समय नहीं है, लेकिन यदि आप अध्याय 7 के बाकी हिस्सों को पढ़ते हैं, तो आप देखेंगे कि संतों को खुद को अंतिम समय में प्रभुत्व और शक्ति दी गई है। हम मसीह के साथ शासन करते हैं, लेकिन वह वहाँ हमारा प्रतिनिधि व्यक्ति है। खैर, यह जानना बहुत अच्छा है।

चलिए आगे बढ़ते हैं क्योंकि हमें कुछ और काम करने की ज़रूरत है। अध्याय 8 और 11, आखिरकार। जैसा कि मैंने अभी कुछ समय पहले कहा था, 20 मिनट पहले, ये अध्याय इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि परमेश्वर के लोगों के साथ क्या होने वाला है, विशेष रूप से तीसरी और दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में, जब ग्रीस यहाँ शासन कर रहा था।

यही कुंजी है, है न? तो सबसे पहले, वह एक मेढ़े को देखता है, और वह मेदो-फारस, अध्याय 8 है। बहुत छोटा, इसके बारे में बहुत कुछ नहीं कहता। लेकिन फिर यह अचानक, अध्याय 8, श्लोक 5 के बारे में बात करता है, एक बकरा जिसकी आँखों के बीच एक प्रमुख सींग है, पश्चिम से आता है। वह मेढ़े पर हमला करता है।

वह खुद टूट जाता है, और चार प्रमुख सींग होते हैं जो स्वर्ग की चार हवाओं तक बढ़ते हैं। उनमें से एक से एक और सींग निकला, जो छोटा शुरू हुआ लेकिन दक्षिण और पूर्व की ओर और सुंदर भूमि की ओर शक्ति में बढ़ता गया, जो निश्चित रूप से, मैं इज़राइल की भूमि का उल्लेख कर रहा था। अब, यह अध्याय 8 है, और यह बहुत छोटा है।

अध्याय 11 में, वापस जाकर इसे पढ़ें, लेकिन मैं यहाँ कुछ मुख्य बिंदुओं पर बात करना चाहूँगा। दक्षिण का राजा, उत्तर का राजा, दक्षिण का राजा, उत्तर का राजा, आगे-पीछे और आगे-पीछे। लेकिन फिर यह कहता है, नियत समय पर, वह, और यह हमारा एंटीओकस एपिफेन्स चरित्र है, दक्षिण पर फिर से आक्रमण करेगा, लेकिन इस बार, परिणाम अलग होगा।

पश्चिमी तटीय क्षेत्रों के जहाज उसका विरोध करेंगे। वे कौन हैं? एक पल पहले मैंने जो कहा था, उस पर फिर से विचार करें। पश्चिम में कौन सी प्रमुख ताकतें हैं? इसकी शुरुआत आर. रोम से होती है।

वे आ रहे हैं। और जब यह कहता है कि वे उसका विरोध करते हैं, तो यह उस घटना का संदर्भ देता है जहाँ एंटीओकस एपिफेन्स को वास्तव में रोमन जनरल द्वारा चुनौती दी गई थी, है न? पश्चिमी पहाड़ियों के जहाज उसका विरोध करेंगे। वह हिम्मत हार जाएगा।

वह वापस लौटेगा और पवित्र वाचा के विरुद्ध अपना क्रोध प्रकट करेगा। वह वापस लौटेगा और पवित्र वाचा को त्यागने वालों पर कृपा करेगा। उसकी सशस्त्र सेनाएँ मंदिर के किले को अपवित्र करने के लिए उठेंगी और दैनिक बलिदान को समाप्त कर देंगी।

वे उस घृणित वस्तु को स्थापित करेंगे जो उजाड़ का कारण बनेगी। क्या आपने सुसमाचारों में किसी को ऐसा कहते सुना है? यह यीशु है, है न? जब वह अपने दिनों में आने वाले संकेतों के बारे में बात कर रहा है, तो वह दानियेल से इस अभिव्यक्ति का उपयोग करने जा रहा है। इसलिए हम इसे शुरू में एंटीओकस एपिफेन्स में पूरा होते हुए देखते हैं, लेकिन यह जिस बारे में बात कर रहा है, उसके संदर्भ में इसकी एक और सीमा है।

और यह आगे भी जारी रहेगा। इस पूरी बात को पढ़ने का समय नहीं है। लेकिन आने वाली कुछ बड़ी चीजों के इन पूर्वाभासों पर एक नजर डालिए।

उन अध्यायों के बीच में, एक अध्याय 8 था, दूसरा अध्याय 11 था, अब हमारे पास अध्याय 9 है। और मुझे अध्याय 9 के बारे में बस कुछ बातें कहने की ज़रूरत है। फिर से, यहाँ बहुत, बहुत, बहुत अधिक अन्वेषण के योग्य है। डैनियल प्रार्थना कर रहा था। यह तब की बात है जब साम्राज्य बेबीलोन से मेदो-फ़ारसी में बदल गया था।

और मैंने आपको बताया, उथल-पुथल भरा समय। डैनियल प्रार्थना में है। वह उपवास, टाट और राख में है।

और वह अपने लोगों की ओर से ईमानदारी से प्रार्थना कर रहा है क्योंकि वह सोच रहा है कि आखिर क्या होने वाला है। और जब वह प्रार्थना कर रहा था, तो दिलचस्प बात यह है कि अध्याय 9 की आयत 21 में, जब मैं अभी भी प्रार्थना कर रहा था, गेब्रियल तेजी से उड़कर आया। आप जानते हैं, गेब्रियल बस ऐसे ही नहीं आया और कहा, ठीक है, मैं आपके प्रश्न का उत्तर देने के लिए यहाँ हूँ।

पाठ में कहा गया है कि दानियेल की प्रार्थना के जवाब में वह तेजी से उड़ता हुआ उसके पास आता है। और वह कहता है कि मैं तुम्हारी प्रार्थना का उत्तर देने आया हूँ। श्लोक 24, मैं पढ़ना शुरू करूँगा।

आपके लोगों और आपके पवित्र शहर के लिए सत्तर-सत्तर का समय निर्धारित किया गया है ताकि अपराध समाप्त हो, पाप का अंत हो, दुष्टता का प्रायश्चित हो, शाश्वत धार्मिकता आए, दर्शन और

भविष्यवाणी पर मुहर लगे, और पवित्रतम का अभिषेक हो। वाह। क्या आपने देखा कि यहाँ क्या होने जा रहा है? अब, हम इन 77 को कैसे समझते हैं? खैर, यह सात वर्षों की 70 अवधियों के बारे में बात कर रहा है।

और जब आप अपना गणित लगाते हैं, तो यह 490 साल होता है। पद 25 को जानें और समझें, यरूशलेम को पुनर्स्थापित करने और पुनर्निर्माण करने के आदेश जारी होने से लेकर मसीहा, अभिषिक्त व्यक्ति तक। शासक आता है।

सात सात और 62 सात होंगे। दूसरे शब्दों में, उन 70 में से 69 तब से सामने आएंगे जब यरूशलेम के पुनर्निर्माण का आदेश आएगा और तब तक जब तक कि मसीहा नहीं आ जाता, अभिषिक्त व्यक्ति, मसीहा। मैंने यह पहले भी कहा होगा, लेकिन मैं आपको बस इसकी याद दिलाऊंगा।

एक पल के लिए भी यह मत सोचिए कि यीशु के दिनों में लोग अपनी बाइबल नहीं जानते थे। वे जानते थे। और यीशु से पहले की सदी में, और वास्तव में, उसके बाद की सदी में, बहुत सारे लोग उभरकर सामने आए और उन्होंने कहा कि वे मसीहा हैं।

अगर मुझे सही से याद है तो जोसेफस हमें बताता है कि 10,000 मसीहाई ढोंगी हैं। वह अतिशयोक्ति कर रहा है, है न? लेकिन वह इस तथ्य को स्वीकार कर रहा है कि इस समय के दौरान, मसीहा होने का ढोंग करने वाले लोगों की संख्या में वास्तव में वृद्धि हुई है। क्यों? उन्होंने यह भविष्यवाणी पढ़ी है।

वे जानते हैं कि उस समय कुछ घटित होने वाला है। वे ठीक से नहीं जानते कि कब होगा क्योंकि यह जानना कठिन है कि डिक्री की तारीख कब तय की जाए और 62 प्लस सात को कैसे खोला जाए। लेकिन फिर भी, एक वास्तविक भावना है कि यहाँ कुछ होने वाला है, और इसलिए, यीशु ऐसे समय में आ रहे हैं जब लोग वास्तव में एक मसीहा की उम्मीद कर रहे हैं।

बेशक, समस्या यह है कि वे सही किस्म के मसीहा की उम्मीद नहीं करते। वे किसी ऐसे व्यक्ति की उम्मीद कर रहे हैं जो सैन्य होगा और रोम और उस तरह की दूसरी चीजों को उखाड़ फेंकेगा। ऐसा नहीं हो रहा है।

वास्तव में, हम यहाँ से अलग हो चुके हैं। अभिषिक्त जन, पद 26, अलग हो जाएगा। यह उनके सिस्टम के लिए एक झटका होगा।

और फिर यह अंत के आने की बात करता है। वह एक सात के लिए कई लोगों के साथ एक वाचा की पुष्टि करेगा। उस सात के बीच में, वह बलिदान और भेंट को समाप्त करने जा रहा है, और जो उजाड़ का कारण बनता है वह मंदिर के पंख पर घृणित चीजें रखेगा।

फिर से, मंदिर के संदर्भ में कुछ भयानक होने के बारे में वही विचार। यह सब कैसे उजागर किया जाए यह वास्तव में एक चुनौती है। मैंने आपको बताया कि डेरियस द मेडे की पहचान पर बहुत सारी स्याही बहा दी गई थी।

आरंभिक बिंदु और अंतिम बिंदु का पता लगाने के तरीके पर बहुत अधिक स्याही बहा दी गई है। यीशु का मंत्रालय कैसे फिट बैठता है? 62 क्या हैं? 69 क्या हैं? 70वाँ सप्ताह कब है? क्या यह अभी आना बाकी है? यह कैसे काम करता है? ये सभी चुनौतीपूर्ण मुद्दे हैं। भविष्यवक्ताओं का कोर्स करें।

हमें एक और बात कहनी है। अध्याय 12. हमारे सभी भविष्यसूचक लेखों के पैटर्न के अनुरूप, हमारे पास अद्भुत अध्याय 12 है, जिसे कठिन, चुनौतीपूर्ण शब्दों में प्रस्तुत किया गया है क्योंकि इसमें से कुछ, जैसा कि दानियेल ने बताया है, अंत के समय तक मुहरबंद होने जा रहा है और हमें कुछ दिनों और इन दिनों की संख्या का उल्लेख मिलता है।

लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप इस बात को समझ लें। श्लोक 1, बीच में। संकट का समय होगा, लेकिन उस समय, आपके लोग, हर कोई जिसका नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ है, आपके लोग बच जाएंगे।

पद 2. धरती की मिट्टी में सोए हुए बहुत से लोग जाग उठेंगे, कुछ लोग अनंत जीवन के लिए, दूसरे लोग लज्जा और अनंत घृणा के लिए। और वैसे, जागने के लिए हिब्रू शब्द सिर्फ जागना नहीं है। यह वास्तव में वहाँ ऊपर जाना है।

आगे बढ़ो। जागो। जो बुद्धिमान हैं, श्लोक 3, वे आकाश की चमक की तरह चमकेंगे, और जो बहुतों को धार्मिकता की ओर ले जाते हैं, वे वहाँ चुनौती को पकड़ेंगे? जो बहुतों को धार्मिकता की ओर ले जाते हैं, वे हमेशा-हमेशा के लिए सितारों की तरह चमकेंगे।

यही वादा दानियेल की किताब को बंद करता है। यही वादा हमें इस सप्ताह और इस दिन के लिए बंद करता है। सोमवार को मिलते हैं।

शब्बत शालोम। इस सप्ताहांत कुछ अच्छा संगीत सुनने जाओ।